किसानों से युद्ध लड़ रही है मोदी-खट्टर सरकार, आधी रात को हाईवे खोदा, अन्नदाता पर पानी की बौछारें

हरियाणा-पंजाब के बाद अब यूपी के किसान भी दिल्ली कूच के लिए हुए लामबंद

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: काले कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली कूच को निकले पंजाब और हरियाणा के किसानों को हरियाणा में जगह-जगह रोक कर राज्य सरकार के आदेश पर न सिर्फ पीटा गया, बल्कि इस ठंड के मौसम में उन पर ठंडे पानी की बौछारें भी की गईं। किसान अपने मकसद में कामयाब रहे। गोदी मीडिया के दुष्प्रचार के बावजूद देशभर में उनका संदेश पहुंच गया। सरकार के जुल्म का अंदाजा इस घटना से लगाया जा सकता है कि दिल्ली बॉर्डर के पास राई (सोनीपत) में गुरुवार देर रात ठंडे पानी की बौछारें की गईं। हालांकि दिनभर चले प्रदर्शन की वजह से थके-हारे किसान रात बिताना चाहते थे और शुक्रवार सुबह दिल्ली कूच करना चाहते थे लेकिन उन पर बेरहमी से ठंडी रात में पानी की बौछारें डाली गईं। आधी रात को किसानों को पीटने की घटनाएं हरियाणा के कई कस्बों में हुई हैं। हरियाणा में किसानों पर जुल्म की इंतेहा पार करने के विरोध में यूपी के किसान नेता और स्व. महेन्द्र सिंह टिकैत के बेटे राकेश टिकैत ने भी यूपी में शुक्रवार से किसानों को उतरने का आह्वान कर दिया है। देशभर में हरियाणा की घटनाओं को लेकर किसान संगठनों के प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने किसानों पर पानी बरसाने के वीडियो को ट्वीट कर लिखा-

- किसानों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति मिली

- बुराड़ी मैदान तक लाये जा रहे हैं प्रदर्शनकारी किसान

- केन्द्रीय कृषि मंत्री ने की बातचीत की अपील

क्या यह कुरुक्षेत्र का नया युद्ध है? बीजेपी सरकार भारत के किसानों के साथ युद्ध लड़ रही है।

अंग्रेज को भी मात कर दिया

किसानों का दिल्ली मार्च रोकने के लिए खट्टर सरकार ने पुलिस अफसरों को खुला हाथ दे रखा था। अंग्रेजी शासनकाल में जिस तरह आंदोलन को दबाया जाता था, उससे भी कई गुना आगे जाकर किसानों के आंदोलन को पुलिसिया बूटों तले रौंदने की कोशिश की गई। तीन तरफ से दिल्ली की सीमाओं से लगे हरियाणा पर किसानों को रोकने की सारी जिम्मेदारी डाली गई थी। केन्द्र सरकार का खट्टर सरकार को साफ आदेश था कि एक भी किसान दिल्ली में न आये। किसानों को रोकने के लिए दिल्ली के बॉर्डरों पर पैरा मिलिट्री फोर्स तक लगा दी गई लेकिन हरियाणा सरकार ने रणनीति यह बनाई थी कि किसानों को जीन्द, रोहतक, शम्भू बॉर्डर, सोनीपत, करनाल, पानीपत आदि शहरों में ही रोक लिया जाए। पहले चरण में 23-24 नवम्बर को हरियाणा में बड़े पैमाने पर किसान नेता गिरफ्तार कर लिए गए।

लेकिन किसान संगठनों की अपनी रणनीति थी। उसी के तहत किसान अपने ट्रैक्टर और अन्य सवारियां लेकर निकल पड़े। इसके बाद सरकार फौरन हरकत में आ गई और सभी जिलों में हाई अलर्ट जारी करते हुए किसान जहां-जहां तक पहुंच चुके थे, उनको वहीं रोककर पीटा जाने लगा और पानी की बौछारें की गई। हर कस्बे में किसानों की पिटाई का पैटर्न एक जैसा ही था।

दिल्ली आ रहे पंजाब के किसानों को रोकने के लिए हरियाणा से लगते बॉर्डर सील कर दिए गए। गुरुवार सुबह पंजाब के किसान पटियाला अंबाला हाईवे पर किए गए बैरिकेड को तोड़ते हुए और वाटर कैनन व आंसू गैस के गोले झेलते हुए आगे बढ़े। जब ये किसान हरियाणा के सादोपुर पहुंचे तो इन्हें एक बार फिर वाटर कैनन की बौछारें झेलनी पड़ीं। लेकिन यह काफिला रुका नहीं, आगे बढ़ता ही रहा। गुड़गांव में योगेंद्र यादव ने किसान मोर्चा को दिल्ली कूच के लिए बुलाया था, लेकिन वहां पहुंचे सभी लोगों को हिरासत में ले लिया गया। हरियाणा में धारा 144 एक दिन पहले ही लागू कर दी गई थी। जयपुर दिल्ली हाइवे से हरियाणा में घुसने पर राजस्थान के सैकड़ों किसानों को हिरासत में लिया गया और उन्हें अज्ञात स्थान पर ले जाया गया।

मीडिया की शर्मनाक भूमिका

आमतौर पर जनता के आंदोलनों में बड़ी भागीदारी को देखते हुए गोदी मीडिया के चैनल भी रंगे सियार की तरह उन आंदोलन की कवरेज करते रहे हैं। लेकिन इन आंदोलनों में ऐसे चैनलों ने अपना वो लबादा भी उतार फेंका है। एनडीटीवी और विदेशी बीबीसी को छोड़कर भारत के सारे चैनल किसानों के आंदोलन की उल्टी खबरें दिखा रहे थे। टीवी के टॉप दलाल ऐंकरों रुबिका लियाकत, दीपक चौरसिया, अमीष देवगन, अंजना ओम कश्यप, रोहित सरदाना, सुधीर चौधरी, पद्मा जोशी,

नाविका कुमार आदि अपने-अपने चैनलों पर यह बहस कर रहे थे कि किसानों को बहला-फुसलाकर दिल्ली कूच के लिए किस पार्टी ने तैयार किया है।

उन्होंने इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा दिया। बीबीसी संवाददाता आधी रात को राई पहुंच गया और उसका लाइव कवरेज लगातार जारी है। बीबीसी ने और स्वतंत्र पत्रकारों ने आधी रात को ही किसानों पर ठंडे पानी के बौछार की सूचनाएं सार्वजनिक कर दीं। लेकिन आजतक, एबीपी न्यूज, जी न्यूज, रिपब्लिक भारत, टाइम्स नाऊ, इंडिया टुडे, न्यूज नेशन ने इस तरह की कोई खबर देर रात नहीं दिखाई।

फरीदाबाद में न हड़ताल हुई न बड़ा प्रदर्शन हुआ

औद्योगिक शहर फरीदाबाद 26 नवम्बर की देशव्यापी हड़ताल में उस शिद्दत से शिरकत नहीं कर पाया, जिसके लिए वह जाना जाता रहा है। शहर में सबसे बड़े औद्योगिक कारखाने एस्कॉर्ट्स की मजदूर यूनियन ने तो देशव्यापी हड़ताल का संज्ञान तक नहीं लिया। यहां पर हिन्द मजदूर सभा (एचएमएस) संबंधित यूनियन है। आमतौर पर एस्कॉर्ट्स की यूनियन अपने साप्ताहिक अवकाश बदलकर ऐसे देशव्यापी आंदोलनों में हिस्सा लेती रही है, लेकिन इस बार यूनियन ने उसकी भी जरुरत नहीं समझीं। हालांकि एचएमएस की ओर से

दावा किया गया कि उसने कुछ कारखानों में हड़ताल करवाई थी। अभी तक इस तरह के देशव्यापी प्रदर्शनों को फरीदाबाद में आयोजित करने के लिए सीटू, एटक, एचएमएस, इंटक आदि मिलकर बड़ा प्रदर्शन करती रही हैं। लेकिन उसमें अब पूरी कमी आ चुकी है।

फरीदाबाद में देशव्यापी हड़ताल की मौजूदगी इन्कलाबी मजदूर केंद्र, औद्योगिक ठेका मजदूर यूनियन ने छोटे स्तर पर ही सही, मगर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों संगठनों के लोगों ने बीके चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में आंगनवाड़ी महिलाएं, नगर निगम कर्मचारी भी शामिल हुए। इन्कलाबी मजदूर केंद्र और औद्योगिक ठेका मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने कहा कि 26 नवम्बर को सुबह अलग- अलग इंडस्ट्रियल एरिया में जुलूस निकाला गया और बीके चौक पर प्रदर्शन किया गया।

काम की खबर

फरीदाबाद

खिलाड़ी छात्रवृत्ति के लिए करें आवेदन

हरियाणा खेल एवं युवा मामले विभाग ने वर्ष 2019-20 में राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों से छात्रवृत्ति के लिए 15 दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवदेन पत्र एवं शर्तें विभागीय वेबसाइट http://haryanasports.gov.in पर उपलब्ध हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय के फॉर्म आ गए

जवाहर नवोदय विद्यालय फरीदाबाद में छठी कक्षा (Class 6) के लिए आवेदन फॉर्म आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह प्रवेश परीक्षा 10 अप्रैल 2021 को होगी। इसके लिए 15 दिसम्बर 2020 तक आवेदन किए जा सकते हैं। पांचवी कक्षा में पढ़ रहे बच्चों व उनके अभिभावक इस संबंध में जानकारी हासिल कर अपने पात्र बच्चों के ऑनलाइन फॉर्म भरकर दाखिला लेने की प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। प्रवेश परीक्षा में मिले मार्क्स के आधार पर एडमिशन होंगे।

हरियाणा बिल्डिंग कोड 2017 में संशोधन

टॉऊन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने 'हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017' में संशोधन किया है। 60 वर्गमीटर क्षेत्र तक के प्लॉट की 'अधिकतम परमिसिबल ग्रांऊड कवरेज' 85 प्रतिशत, परमिसिबल बेसमैंट सिंगल-लेवल, 'अधिकतम परमिसिबल फ्लोर एरिया रेशो' 220 प्रतिशत तथा 'अधिकतम परमिसिबल ऊंचाई' 16.5 मीटर होगी।

बाजरा की नई किस्म विकसित

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के वैज्ञानिकों ने HHB-311 बाजरा की नई बायोफोर्टीफाइड किस्म विकसित की है। भारत सरकार के कृषि एवं सहयोग विभाग की 'फसल मानक, अधिसूचना एवं अनुमोदन केंद्रीय उप-समिति' ने इस नई किस्म को अधिसूचित व जारी कर दिया है।

फरीदाबाद में सिर्फ 50 की अनुमति

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सामाजिक समारोहों; शादी, राजनीतिक या धार्मिक कार्यक्रमों इत्यादि में लोगों की संख्या को सीमित करने का निर्णय लिया है। 6 जिलों गुड़गांव, रेवाड़ी, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत और हिसार में इन्डोर हॉल में होने वाले कार्यक्रमों में 50 लोग और खुले स्थानों में सौ लोग शामिल हो सकेंगे। शेष जिलों में इन्डोर हॉल में 100 और खुले स्थानों पर 200 तक सीमित होगी।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. राम खिलावन - बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने